Title Need to re-open the Central Silk Board Office at Bhagalpur, Bihar.

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन (भागलपुर): मेरे संसदीय क्षेत्र भागलपुर में रेशम का उत्पादन पूरे देश में प्रसिद्ध है। भागलपुर का रेशम देश में ही नहीं बल्कि विदेश में भी काफी प्रसिद्ध है। रेशम के निर्यात से पूर्व केन्द्रीय वस्त्र मंत्रालय के केन्द्रीय रेशम बोर्ड के कार्यालय द्वारा उस रेशम का निरीक्षण होता है तथा उसकी गुणवत्ता निर्धारित कर उसे निर्यात किया जाता है। लेकिन कुछ दिन पूर्व भागलपुर के रेशम व्यापारियों को केन्द्रीय रेशम बोर्ड कार्यालय, भागलपुर से फोन के आधार पर सूचना मिली कि 40 वर्ष पुराने इस कार्यालय में निरीक्षण कार्य को समाप्त कर दिया गया है। इस कार्यालय के बंद हो जाने के कारण भागलपुर के रेशम व्यापारियों को गुणवत्ता निरीक्षण के लिए अब दूसरे स्थानों दिल्ली अथवा कोलकाता जाना पड़ रहा है और व्यापारियों को अधिक समय एवं अधिक खर्चे के साथ काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि बिना किसी पूर्व सूचना दिये केवल एक फोन के आधार पर ही कार्यालय को क्यों बंद कर दियागया है। बिहार के लिए केवल भागलपुर में ही केन्द्रीय सिल्क बोर्ड का कार्यालय है, जिसको बंद कर दिया गया हे। सरकार के इस फैसले से लाखों रेशम व्यापारियों एवं कारीगरों के लिए एक विकट समस्या खड़ी कर दी गई है।

मेरा माननीय वस्त्र मंत्री जी से आग्रह है कि भागलपुर रेशम उद्योग एवं बुनकरों की स्थिति को ध्यान में रखते हुए इस कार्यालय को दोबारा खोलने संबंधी उचित कदम उठाये जिससे बुनकरों एवं रेशम व्यापारियों को सुचारू रूप से कार्य करने का मौका मिल सके।